<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>
<u>विश्वविद्यालय में दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित</u>

पंतनगर। 28 अक्टूबर 2021। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय के मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 'प्राकृतिक संसाधनों की स्थिरता के लिए खतरे और चुनौतियां : समकालीन उपचारात्मक उपाय और तकनीक' विषय पर दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला ने किया। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में सत्त विकास, प्राकृतिक संसाधन, प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के महत्व के बारे में बताया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, प्रौद्योगिक महाविद्यालय, डा. अलकनंदा अशोक ने सत्त विकास, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, कैच द रेन प्रोग्राम और नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के अध्यक्ष, डा. अखिलेश कुमार ने प्रति व्यक्ति भूमि और दिन-प्रतिदिन घटते पानी की उपलब्धता एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित प्रबन्धन के महत्व को बताया। आयोजक सचिव, डा. पंकज कुमार ने स्वागत भाषण एवं सम्मेलन के संयोजक डा. दीपक कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 19 भारतीय राज्यों तथा पेरु, अमेरिका, कनाडा, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया देशों से 92 से अधिक शोधकर्ताओं ने प्रतिभाग किया एवं सात तकनीकी सत्रों में अपने शोध पत्र ऑनलाइन के माध्यम से प्रस्तुत किये गये।

सम्मेलन में प्रतिभागियों को जानकारी देते वैज्ञानिक।